* P A - 1 6 0 7 0 2 0 1 0 6 0 9 0 0 *

**PA-16070201060900** Seat No. _____

# B. R. S. (Sem. VI) (CBCS) Examination

**March / April – 2020**

## Hindi : *Core-18*

***(New Course)***

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

**सूचना :** सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।

१ 'अषाढ़ का एक दिन' नाटक का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

**अथवा**

१ नाट्यकला के तत्त्वों के आधार पर 'अषाढ़ का एक दिन' नाटक का मूल्यांकन कीजिए । १५

२ कालिदास का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

**अथवा**

२ 'अषाढ़ का एक दिन' नाटक में वर्णित समस्याओं की चर्चा कीजिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''मेरी समझ में नहीं आता कि इसमें क्रय–विक्रय की क्या बात है । सम्मान मिलता है, ग्रहण करो । नहीं, कविता का मूल्य ही क्या है ?''

(२) ''समझदार व्यक्ति जान पड़ते हो । फिर भी यह नहीं जानते हो कि राजपुरुषों के अधिकार बहुत दूर तक जाते हैं । मुझे देर हो रही है । यह हरिणशावक मुझे दे दो ।''

(३) ''परन्तु समय निर्दय नहीं है । उसने औरों को भी सत्ता दी है । अधिकार दिये है । वह धूप और नैवेध लिये घर की देहली पर रुका नहीं रहा । उसने औरों को अवसर दिया है ! निर्माण किया है ।''

(४) ''परन्तु मैंने यह सब सह लिया । इसलिए कि मैं टूटकर भी अनुभव करती रही कि तुम बन रहे हो । क्योंकि मैं अपने को अपने में न देखकर तुममें देखती थी । और आज यह सुन रही हूँ कि तुम सब छोड़कर संन्यास ले रहे हो ? तटस्थ हो रहे हो ? उदासीन ? मुझे मेरी सत्ता के बोध से इस तरह वंचित कर दोगे ?''

(५) ''तुमने अब तक कालिदास के आतिथ्य का उपक्रम नहीं किया ? वर्षों के बाद एक अतिथि घर में आये और उसका आतिथ्य न हो ?''

४ मल्लिका का चरित्र–चित्रण कीजिए । १५

**अथवा**

४ 'अषाढ़ का एक दिन' नाटक में इतिहास और कल्पना का सुंदर समन्वय हुआ है – तर्क संगत उत्तर दीजिए । १५

५ मोहन राकेश के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १०

**अथवा**

५ नाटक के क्रमिक विकास की चर्चा कीजिए । १०